

साप्ताहिक

अचलेश्वर एक्सप्रेस

संपादक : आकाश कुशवाह:- 8435500216 वर्ष-1 अंक-08 | ग्वालियर, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपया RNI No. - MPHIN/26/A/7091

आदेश 29 मार्च 2024 का, पालन आज भी सवालों के घेरे में!

कागज पर साफ निर्देश—थाना स्तर पर कोई स्क्वाड नहीं, सभी से समान ड्यूटी और आसूचना संकलन के नाम पर सीमित जिम्मेदारी; फिर सवाल, आदेश के बाद भी व्यवस्था जमीन पर क्यों नहीं बदली?

अचलेश्वर एक्सप्रेस, ग्वालियर

पॉइंट-1 आदेश में साफ लिखा था- थाना स्तर पर कोई स्क्वाड नहीं बनेगा

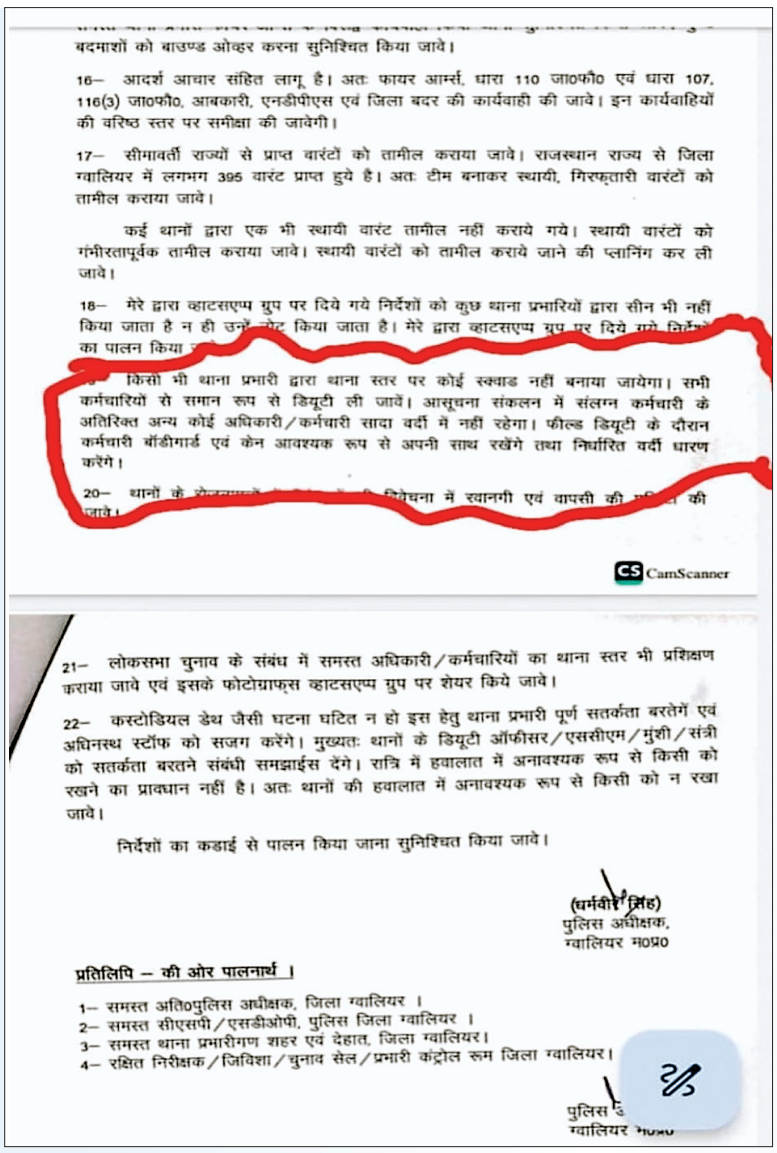
29 मार्च 2024 की बैठक में जारी निर्देशों के बिंदु क्रमांक 19 में स्पष्ट कहा गया कि किसी भी थाना प्रभारी द्वारा थाना स्तर पर कोई स्क्वाड नहीं बनाया जाएगा। सभी कर्मचारियों से समान रूप से ड्यूटी लेने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आज भी अलग-अलग थानों में विशेष टीम या 'खास आदमी' के जरिए काम कराने की चर्चाएं सामने आती हैं तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आदेश आखिर लागू किस स्तर तक हुआ?

पॉइंट-2 'खास आदमी' किसके आदेश पर?

थानों में यदि कुछ चुनिंदा पुलिसकर्मी ही लगातार विशेष जिम्मेदारियों में दिखाई देते हैं, तो सवाल सिर्फ उनकी ड्यूटी का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता का है। क्या सभी पुलिसकर्मियों को समान रूप से जिम्मेदारी दी जा रही है या कुछ चेहरे ही बार-बार विशेष काम के लिए चुने जा रहे हैं?

पॉइंट-3 आसूचना संकलन के नाम पर सादा वर्दी-लेकिन सीमा क्या है?

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था कि आसूचना संकलन में संलग्न कर्मचारी के अतिरिक्त कोई अन्य अधिकारी/कर्मचारी सादा वर्दी में नहीं रहेगा। यानी सादा वर्दी की व्यवस्था को भी सीमित और उद्देश्यपूर्ण रखने की बात कही गई थी। ऐसे में यदि सादा वर्दी की आड़ में अन्य गतिविधियों की शिकायतें हैं, तो इसकी निगरानी कौन करेगा?



बदमाशों को बाउण्ड ओवर करना सुनिश्चित किया जावे।

16— आदर्श आचार संहित लागू है। अतः फायर आर्म्स, धारा 110 जा0फौ0 एवं धारा 107, 116(3) जा0फौ0, आबकारी, एनडीपीएस एवं जिला बदर की कार्यवाही की जावे। इन कार्यवाहियों की वरिष्ठ स्तर पर समीक्षा की जावेगी।

17— सीमावर्ती राज्यों से प्राप्त वारंटों को तामील कराया जावे। राजस्थान राज्य से जिला ग्वालियर में लगभग 395 वारंट प्राप्त हुये है। अतः टीम बनाकर स्थायी, गिरफ्तारी वारंटों को तामील कराया जावे।

कई थानों द्वारा एक भी स्थायी वारंट तामील नहीं कराये गये। स्थायी वारंटों को गंभीरतापूर्वक तामील कराया जावे। स्थायी वारंटों को तामील कराये जाने की प्लानिंग कर ली जावे।

18— मेरे द्वारा व्हाटसएप्प ग्रुप पर दिये गये निर्देशों को कुछ थाना प्रभारियों द्वारा सीन भी नहीं किया जाता है न ही उन्हें नोट किया जाता है। मेरे द्वारा व्हाटसएप्प ग्रुप पर दिये गये निर्देशों का पालन किया

19— किसी भी थाना प्रभारी द्वारा थाना स्तर पर कोई स्क्वाड नहीं बनाया जायेगा। सभी कर्मचारियों से समान रूप से ड्यिूटी ली जावें। आसूचना संकलन में संलग्न कर्मचारी के अतिरिक्त अन्य कोई अधिकारी/कर्मचारी सादा वर्दी में नहीं रहेगा। फील्ड ड्यिूटी के दौरान कर्मचारी बॉडीगार्ड एवं केन आवश्यक रूप से अपनी साथ रखेंगे तथा निर्धारित वर्दी धारण करेंगे।

20— थानों के [illegible] निरीक्षना में रवानगी एवं वापसी की [illegible] की जावे।

CamScanner

21— लोकसभा चुनाव के संबंध में समस्त अधिकारी/कर्मचारियों का थाना स्तर भी प्रशिक्षण कराया जाये एवं इसके फोटोग्राफ्स व्हाटसएप्प ग्रुप पर शेयर किये जावे।

22— कस्टोडियल डेथ जैसी घटना घटित न हो इस हेतु थाना प्रभारी पूर्ण सतर्कता बरतेगें एवं अधिनस्थ स्टॉफ को सजग करेंगे। मुख्यतः थानों के ड्यिूटी ऑफीसर/एससीएम/मुंशी/संत्री को सतर्कता बरतने संबंधी समझाईस देंगे। रात्रि में हवालात में अनावश्यक रूप से किसी को रखने का प्रावधान नहीं है। अतः थानों की हवालात में अनावश्यक रूप से किसी को न रखा जावे।

निर्देशों का कडाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया जावे।

(धर्मवीर सिंह)
पुलिस अधीक्षक,
ग्वालियर म0प्र0

प्रतिलिपि – की ओर पालनार्थ ।

1— समस्त अति0पुलिस अधीक्षक, जिला ग्वालियर ।
2— समस्त सीएसपी/एसडीओपी, पुलिस जिला ग्वालियर ।
3— समस्त थाना प्रभारीगण शहर एवं देहात, जिला ग्वालियर।
4— रक्षित निरीक्षक/जिविशा/चुनाव सेल/प्रभारी कंट्रोल रूम जिला ग्वालियर।

पुलिस [illegible]
ग्वालियर म0प्र0

पॉइंट-4 कुछ दिनों का पालन, फिर वही पुरानी तस्वीर?

सूत्रों और स्थानीय स्तर पर उठ रही चर्चाओं के मुताबिक, आदेश जारी होने के बाद कुछ समय तक व्यवस्था में बदलाव दिखाई दिया, लेकिन बाद में स्थिति फिर पुराने ढर्रे पर लौटने के आरोप लगते रहे। अगर ऐसा है तो जिम्मेदारी किसकी है—थाना प्रभारी की, पर्यवेक्षण अधिकारी की या पूरी मॉनिटरिंग व्यवस्था की?

पॉइंट-5 'सूचना संकलन' या वसूली की शिकायतें?

सबसे गंभीर सवाल उन आरोपों को लेकर है जिनमें कुछ पुलिसकर्मियों पर सूचना संकलन के नाम पर लोगों से अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है, लेकिन यदि शिकायतें लगातार मिल रही हैं तो पुलिस अधिकारियों को यह जांचना चाहिए कि सूचना तंत्र वास्तव में अपराध रोकने के लिए काम कर रहा है या किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल हो रहा है।

पॉइंट-6 7 अपराध रोकने वाला सूचना तंत्र या 'कमाई' का माध्यम?

आसूचना तंत्र का मूल उद्देश्य अपराध की सूचना जुटाना और अपराध होने से पहले पुलिस को सतर्क करना है। अगर इसी तंत्र पर वसूली के आरोप लगने लगें तो सवाल व्यवस्था की विश्वसनीयता पर आता है। पुलिस नेतृत्व को यह स्पष्ट करना होगा कि सूचना संकलन में लगे कर्मचारियों की गतिविधियों की निगरानी किस स्तर पर होती है।

पॉइंट-7 थाना से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक 'खास आदमी' की चर्चा

मैदानी स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या सिर्फ थाना स्तर पर ही चुनिंदा कर्मचारियों को विशेष महत्व मिलता है या वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर भी कुछ कर्मचारी लगातार विशेष ड्यूटी में दिखाई देते हैं? यदि आदेश समान ड्यूटी का है तो व्यवस्था भी समान क्यों नहीं दिखाई देती?

पॉइंट-8 आदेश कागज पर, असर जमीन पर क्यों नहीं?

29 मार्च 2024 के आदेश को करीब ढाई साल से अधिक समय बीत चुका है। यदि आज भी उन्हीं व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं जिन पर उस समय स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, तो यह सिर्फ एक आदेश के पालन का मामला नहीं, बल्कि पुलिस की आंतरिक मॉनिटरिंग व्यवस्था की परीक्षा है।

सबसे बड़ा सवाल

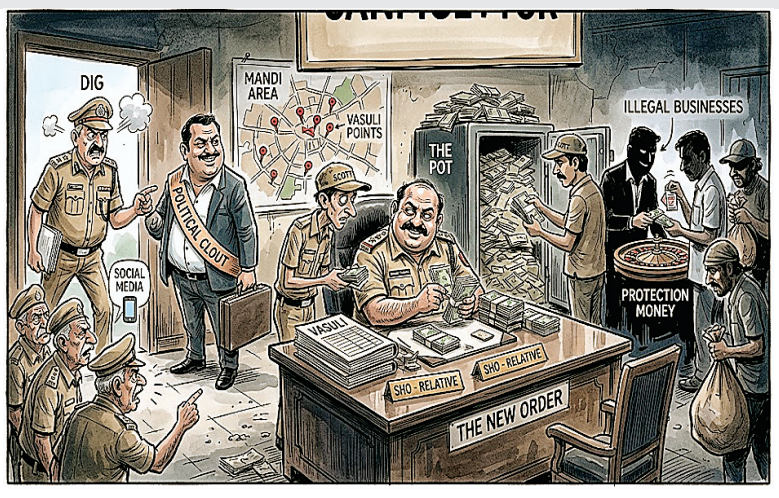
जब आदेश में 'स्क्वाड' पर रोक थी, तो फिर आज भी विशेष टीमों और 'खास आदमियों' की चर्चा क्यों? क्या ग्वालियर पुलिस इस आदेश की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करेगी? क्या थानों में यह जांच होगी कि कौन कर्मचारी किस जिम्मेदारी में है? और क्या सूचना संकलन के नाम पर होने वाली कथित गतिविधियों की निष्पक्ष जांच होगी?

फेरबदल के बाद 'वसूली' को लेकर चर्चाएं तेज, स्कॉट को सख्त संदेश!

अवैध कारोबार पर कार्रवाई के बजाय वसूली बढ़ाने के आरोप, बड़े साहब तक बात न पहुंचने देने की चर्चा; चुनिंदा लोगों को स्कॉट में जगह मिलने और पुराने चेहरों की नाराजगी के भी संकेत

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। हाल ही में हुए थाना प्रभारियों के फेरबदल के बाद मंडी वाले थाना क्षेत्र को लेकर पुलिस महकमे में तरह-तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक थाना प्रभारी की नियुक्ति को लेकर क्षेत्रीय राजनीतिक प्रभाव और स्थानीय स्तर पर सहयोग की चर्चाएं भी बनी हुई हैं। थाना प्रभारी को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष का रिश्तेदार बताए जाने की बात भी सामने आ रही है,इसी बीच सूत्रों का दावा है कि थाना प्रभारी की ओर से स्कॉट में शामिल कुछ पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में चलने वाले अवैध कारोबार को लेकर कथित तौर पर अलग तरह के निर्देश दिए गए हैं। आरोप है कि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के बजाय वसूली की रकम बढ़ाने और इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक न पहुंचने देने पर जोर दिया जा रहा है। यदि इस तरह के निर्देश वास्तव में दिए गए हैं तो यह पुलिस की जवाबदेही और वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।सूत्रों के अनुसार स्कॉट में भी कुछ चुनिंदा लोगों को ही महत्व दिए जाने की चर्चा है। वहीं पूर्व में स्कॉट का हिस्सा रहे या हटाए गए कुछ लोगों में नाराजगी की स्थिति बनने की बात सामने आ रही है। यही नाराजगी आने वाले दिनों में सोशल मीडिया पर सामने आने की चर्चाओं को भी हवा दे रही है।मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि



यदि अंदरूनी विवाद सार्वजनिक हुआ तो सोशल मीडिया पर ऐसे तथ्य या सामग्री सामने आ सकती है, जिससे पुलिस महकमे के भीतर चल रही खींचतान उजागर हो। हालांकि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सोशल मीडिया पर सामने आने वाली संभावित सामग्री में क्या होगा और उसके दावों की सत्यता कितनी होगी। थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और कथित वसूली को लेकर उठ रही चर्चाओं के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वरिष्ठ अधिकारी इन आरोपों की वास्तविकता जानने के लिए स्वतंत्र स्तर पर जांच कराएंगे और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय होगी?

टेकनपुर हत्याकांडः एसपी धर्मवीर सिंह की निगरानी में जांच की दिशा बदली, तथ्यों के सहारे सच तक पहुंचने की चुनौती

जब पुलिस की मॉनिटरिंग मजबूत हो, जांच साक्ष्य आधारित हो और हर पहलू को गंभीरता से खंगाला जाए, तब उलझे अपराध की परतें खुलने की उम्मीद बढ़ती है; टेकनपुर हत्याकांड ने एक बार फिर बेहतर पुलिसिंग, जवाबदेही और निष्पक्ष जांच के महत्व को सामने रखा है।

अचलेश्वर एक्सप्रेस

अपराध होने के बाद पुलिस की असली परीक्षा शुरू होती है। घटनास्थल पर पहुंचना, प्रकरण दर्ज करना और शुरुआती कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी का पहला चरण है, लेकिन किसी गंभीर अपराध की गुत्थी सुलझाने के लिए इससे कहीं अधिक जरूरी है–जांच की सही दिशा, तथ्यों पर पैनी नजर, साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण और पूरी टीम के काम की प्रभावी निगरानी। ग्वालियर के टेकनपुर में सामने आए हत्याकांड के घटनाक्रम ने इसी महत्वपूर्ण पहलू पर ध्यान खींचा है। मामले में करीब 24 घंटे के भीतर जांच की दिशा बदलने वाले नए तथ्य सामने आने की जानकारी ने यह सवाल भी महत्वपूर्ण बना दिया है कि गंभीर अपराधों की पड़ताल में वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय मॉनिटरिंग कितनी निर्णायक हो सकती है।इस घटनाक्रम के केंद्र में ग्वालियर पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह का नाम सामने आ रहा है। किसी भी संवेदनशील मामले में पुलिस अधीक्षक की भूमिका केवल अधीनस्थ अधिकारियों से जानकारी लेने तक सीमित नहीं होती। जांच की प्रगति पर नजर रखना, उपलब्ध साक्ष्यों की समीक्षा करना, अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल सुनिश्चित करना और जरूरत पड़ने पर जांच की दिशा की समीक्षा करना नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। जब इन प्रक्रियाओं के बीच समन्वय स्थापित होता है, तब जांच टीम को बिखरे तथ्यों को जोड़ने और घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर सामने लाने में मदद मिल सकती है।टेकनपुर हत्याकांड में सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच में नया मोड़ आने की जानकारी सामने आई है। साथ ही, भाजपा नेता के भाई के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किए जाने की बात भी सामने आई है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है कि गंभीर अपराधों की जांच में किसी की पहचान, प्रभाव या सामाजिक हैसियत से अधिक महत्व साक्ष्यों का होना चाहिए। हालांकि, प्रकरण दर्ज होना दोष सिद्ध होना नहीं है। किसी भी व्यक्ति की भूमिका का अंतिम निर्धारण जांच में सामने आने वाले प्रमाणों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही किया जाना चाहिए। यही निष्पक्ष पुलिसिंग की बुनियाद है बेहतर पुलिसिंग का अर्थ केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि सही दिशा में कार्रवाई करना है। कई बार किसी अपराध की शुरुआती तस्वीर अधूरी होती है। घटनास्थल से मिले संकेत, सीसीटीवी में दर्ज गतिविधियां, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और दूसरे साक्ष्य अलग-अलग जानकारियां देते हैं। इन सभी का आपसी मिलान किए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जांच को कमजोर कर सकता है। इसके विपरीत, जब हर तथ्य को परखा जाता है, विरोधाभासों की जांच होती है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ा जाता है, तब वास्तविक घटनाक्रम तक पहुंचने की संभावना मजबूत होती है। टेकनपुर मामले में भी जांच की सफलता का आकलन इसी कसौटी पर होना चाहिए पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह की निगरानी में जांच की दिशा को



लेकर सामने आए घटनाक्रम को बेहतर पुलिसिंग के संदर्भ में देखा जा सकता है। लेकिन किसी अधिकारी के नेतृत्व की वास्तविक मजबूती का प्रमाण केवल शुरुआती बदलाव नहीं, बल्कि जांच का अंतिम परिणाम होता है। क्या सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की पड़ताल हुई? क्या साक्ष्य सुरक्षित और प्रमाणिक हैं? क्या संभावित आरोपियों की भूमिका का निष्पक्ष परीक्षण किया गया? और क्या कानूनी कार्रवाई मजबूत प्रमाणों के आधार पर आगे बढ़ती है? इन सवालों के जवाब ही यह तय करेंगे कि जांच कितनी प्रभावी रही।अपराधियों को बेनकाब करने वाली पुलिसिंग का अर्थ किसी को जल्दबाजी में अपराधी घोषित करना नहीं, बल्कि तथ्यों के माध्यम से सच्चाई सामने लाना है। पुलिस की कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति कानून के दायरे में आएं और निर्दोष व्यक्ति के अधिकार भी सुरक्षित रहें। निष्पक्षता, पेशेवर दक्षता और जवाबदेही–इन तीनों के बिना पुलिस की किसी भी कार्रवाई पर जनता का भरोसा पूरी तरह मजबूत नहीं हो सकता।इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर और जांच में जुटी पूरी टीम की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। किसी गंभीर अपराध की जांच एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं, बल्कि टीमवर्क, सूचनाओं के समन्वय और लगातार समीक्षा से आगे बढ़ती है। वरिष्ठ अधिकारी की मॉनिटरिंग तभी प्रभावी साबित होती है, जब जांच से जुड़े प्रत्येक अधिकारी को स्पष्ट दिशा मिले, तथ्यों का गंभीरता से मूल्यांकन हो और किसी भी महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज न किया जाए।पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाना आवश्यक है, क्योंकि जनता के प्रति जवाबदेही किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहचान है। लेकिन जहां किसी मामले में जांच आगे बढ़ती दिखाई दे, नए तथ्य सामने आते हैं और कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर होने की दिशा में बढ़ती है, वहां प्रयासों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना भी उतना ही जरूरी है। आलोचना और सराहना–दोनों का आधार व्यक्ति विशेष के प्रति पसंद या नापसंद नहीं, बल्कि काम की गुणवत्ता होनी चाहिए। यही स्वस्थ पत्रकारिता और जिम्मेदार पुलिसिंग के बीच भरोसे का आधार बनता है।टेकनपुर हत्याकांड में मृतक का परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह नहीं कि जांच कितनी चर्चा में है, बल्कि यह है कि घटना की सच्चाई सामने आए, जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका प्रमाणों के आधार पर स्पष्ट हो और कानून के अनुरूप कार्रवाई हो। क्षेत्र के नागरिकों की अपेक्षा भी यही है कि मामले की हर कड़ी की पड़ताल हो और किसी भी तरह का दबाव जांच की निष्पक्षता को प्रभावित न करे ग्वालियर पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह की निगरानी में इस मामले की जांच को लेकर सामने आए घटनाक्रम ने बेहतर पुलिसिंग की संभावनाओं पर चर्चा का अवसर दिया है। अब जरूरी है कि यह जांच अपने तार्किक और कानूनी निष्कर्ष तक पहुंचे। यदि सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है और साक्ष्यों के आधार पर दोष सिद्ध करने योग्य सामग्री मिलती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई पीड़ित परिवार के लिए न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।अंततः पुलिस की असली ताकत वर्दी, पद या अधिकार में नहीं, बल्कि सच तक पहुंचने की क्षमता में होती है। वरिष्ठ अधिकारी की प्रभावी मॉनिटरिंग, जांच टीम की मेहनत और साक्ष्य आधारित कार्रवाई जब एक साथ काम करते हैं, तभी अपराध की परतें खुलने और जनता का भरोसा मजबूत होने की संभावना बढ़ती है। टेकनपुर हत्याकांड में भी यही अपेक्षा है–जांच निष्पक्ष रहे, सच पूरी तरह सामने आए और न्याय की प्रक्रिया बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़े। क्योंकि बेहतर पुलिसिंग का सबसे बड़ा प्रमाण किसी कार्रवाई की सुर्खियां नहीं, बल्कि तथ्यों से स्थापित सच और कानून के अनुसार मिलने वाला न्याय है।

त्योहारों से पहले अलर्ट मोड में ग्वालियर पुलिस, हर थाना क्षेत्र में अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिलेभर में पैदल भ्रमण, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा का लिया जायजा; शांति भंग करने वालों पर रहेगी पुलिस की नजर



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। आगामी त्योहारों के मद्देनजर ग्वालियर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर 11 अक्टूबर को जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, संवेदनशील स्थानों और आमजन की आवाजाही वाले क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित की गई। पैदल भ्रमण का उद्देश्य त्योहारों के दौरान शांति, कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के साथ आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। साथ ही संबंधित थाना क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखते हुए संभावित समस्याओं के प्रति सतर्क रहने के निर्देशों के अनुरूप निगरानी की गई। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने या शांति भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ग्वालियर पुलिस का यह कदम त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और नागरिकों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की तैयारियों का हिस्सा है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि वे शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

टैबलेट के जरिए ई-विवेचना और ई-साक्ष्य की प्रक्रिया समझाई

नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्वालियर पुलिस के विवेचकों का दो दिनी प्रशिक्षण शुरू

तकनीकी समस्याओं के समाधान के साथ विवेचना की गुणवत्ता सुधारने पर जोर

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और पुलिस विवेचना की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से ग्वालियर पुलिस के विवेचकों का दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में प्रधान आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक के विवेचकों को शामिल किया गया है।

डिजिटल प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी पर जोर

प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा ने कहा कि नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कानूनी प्रावधानों का गहन अध्ययन और उनकी व्यावहारिक समझ आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ई-विवेचना और ई-साक्ष्य की प्रक्रियाओं की सही जानकारी से विवेचना को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने विवेचकों को कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों को चुनौती के रूप में लेते हुए निरंतर सीखने और अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने के लिए प्रेरित किया।

टैबलेट पर दिया गया प्रशिक्षण



कार्यक्रम में सीसीटीएनएस के प्रशिक्षक उप निरीक्षक अमित शर्मा, विजय सिंह सिकरवार और संजय बनवारिया ने टैबलेट के माध्यम से ई-विवेचना एवं ई-साक्ष्य की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने डिजिटल माध्यम से विवेचना करने की प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं और कार्य के दौरान सामने आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। साथ ही विवेचकों से डिजिटल प्रणाली के उपयोग में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर चर्चा कर उनका समाधान भी बताया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को नवीन कानूनी प्रावधानों और डिजिटल कार्यप्रणाली से अद्यतन करना है, ताकि वे विवेचना के दौरान तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें और मामलों की जांच को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बना सकें।

राहुल गांधी बोले- सभी सुप्रीम कोर्ट चलें

कॉकरोच पार्टी का लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन, ममता-अरविंद केजरीवाल को प्रोटेस्ट के लिए धन्यवाद दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए, इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली आने वाली मेट्रो और ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक न लगाई जाए।इसके बावजूद शनिवार को कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ। इस पर कोर्ट ने दिल्ली के अधिकारियों को को नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा। कोर्ट ने पूछा कि उसके आदेश की अवहेलना के लिए अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। इससे पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सीजेपी लीडर अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा करने का आदेश दिया। तीनों 23 घंटे पुलिस कस्टडी में रहे।



राजीव चौक में बस पर चढ़ीं महिला प्रदर्शनकारी

दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को ले जाने वाली बस पर चढ़ीं SFI की आईसी घोष। बस के सामने बैठ प्रोटेस्ट करने लगी। असल में SFI ने दिल्ली पुलिस के ऊपर महिला प्रदर्शनकारियों पर से बदसलूकी का आरोप लगाया था। इसी बात को लेकर स्त्रह्ल ने विरोध करते हुए राजीव चौक मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 7 के सामने कई महिला प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर बस के आगे जमीन पर बैठ गईं। करीब 10 मिनट की जद्दोजहद के बाद दिल्ली पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने सभी हटाकर बस में डिटेन करके हटा दिया।



दीपके ने पैरेंट्स से बात करने से मना किया

दिल्ली पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जैसे ही दिल्ली पुलिस के पास अभिजीत दीपके के दादी के निधन की खबर पहुंची। ये दुखद समाचार पहुंचाने के लिए दिल्ली पुलिस उनके पास गई और हर प्रकार की मदद के लिए उनसे पूछा गया। फ्लाइट, कॉल या जो भी उन्हें जरूरत हो, संवेदनशील भाव के साथ उनसे पूछा। उनसे लगातार पूछा गया कि उनकी पैरेंट्स से उनकी बात करा दें, जो उन्होंने मना किया। एकदम से मना किया। उन्हें थोड़ा सोचने का टाइम भी दिया गया। फिर दोबारा मदद के लिए पूछा। सीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस तथ्य को गलत तरीके से बताया गया है।

मुंबई में भी सीजेपी समर्थक हिरासत में लिए गए

मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। वे कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टष्ठक्क) के समर्थन में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। शनिवार को भी पुलिस ने मुंबई के अलग-अलग इलाकों से करीब 600 लोगों को बिना अनुमति प्रदर्शन करने के आरोप में हिरासत में लिया था।

बिजोली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में आरोपी को पकड़ा, चोरी की स्प्लेंडर बरामद

राई गांव की सड़क से चोरी हुई थी मोटरसाइकिल, मुरार, बहोड़ापुर और विश्वविद्यालय थाने में आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज हैं चोरी व डकैती के मामले



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिजोली थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को सिद्ध बाबा पहाड़िया के पास कच्चे रास्ते पर बिना नंबर की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने मोटरसाइकिल राई गांव की सड़क से चोरी करना बताया।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम सोनी निवासी भूरे सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 2 अक्टूबर 2026 को वह अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक स्त्रह्ल07-स्त्र-3257 से राई गांव में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गया था। उसने मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी की थी। वापस लौटने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। शिकायत के आधार पर बिजोली थाने में अपराध क्रमांक 204/26, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान 11 अक्टूबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सिद्ध बाबा पहाड़िया के पास एक व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिल बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने संदिग्ध से पूछताछ की। उसकी पहचान मायाराम पुत्र जण्डेल यादव, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम किटेहना, थाना मौ, जिला भिण्ड, हाल निवासी सी-ब्लॉक हुरावली, ग्वालियर के रूप में हुई। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर जब्त की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ मुरार, बहोड़ापुर और विश्वविद्यालय थानों में चोरी एवं डकैती से संबंधित प्रकरण पहले से दर्ज हैं। अब उससे क्षेत्र में हुई अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी बेहट मनीष यादव के निर्देशन में थाना प्रभारी बिजोली उपनिरीक्षक सौरभ श्रीवास्तव के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में थाना पुलिस और साइबर सेल की टीम के सदस्यों की भूमिका रही।



संपादकीय

भारतवंशी जज नवी को शांति का नोबेल पुरस्कार

दक्षिण अफ्रीकी जज और यूएन में मानवाधिकार की प्रमुख रहीं भारतीय मूल की नवी पिल्ले को नोबेल शांति अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह भारत के लिए गौरव का विषय है। भारतीयों में शांति और अहिंसा का खून बहता है। महात्मा गांधी के बाद एक बार फिर भारतीय मूल की जज नवी पिल्लै ने सारी दुनिया में भारत का भी गौरव बढ़ाया है। भारतीय संस्कृति, सत्य, अहिंसा और शांति का असर पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहता है। नवी पिल्लै ने युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने, दुष्कर्म को नरसंहार जैसा कृत्य, तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून में मानव अधिकारों को मजबूत बनाने का जो प्रयास किया है, वह विश्व शांति के लिए एक असाधारण प्रयास है। वर्तमान में जब सत्ता के लिए जगह-जगह संघर्ष हो रहे हों, ऐसे समय पर उनको यह पुरस्कार दिया जाना निश्चित रूप से समय की मांग है। रवांडा में जब दुष्कर्म को उन्होंने नरसंहार की तरह अपराध माना, अपराधी को उसी तरह की सजा दी। 2025 में संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार आयोग के प्रमुख पद पर रहते हुए उन्होंने इजराइल और गाजा के बीच में जो युद्ध चल रहा था, उसमें जिस तरह से बच्चों, महिलाओं और आम नागरिकों की हत्या की जा रही थी, उसे युद्ध अपराध घोषित किया। उन्होंने बिना किसी दबाव के मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने न्यायिक कार्यकाल में पीड़ितों को हर तरह से न्याय देने का प्रयास किया है। वह कभी भी किसी डर और दबाव में नहीं आई। बिना किसी आशा-निराशा के उन्होंने अपने काम को पूरी ईमानदारी के साथ किया। दुनिया के सभी देशों में उनके इंसाफ को लेकर चर्चा होती है। उन्होंने अपना सारा जीवन बड़ी सादगी के साथ बिताते हुए न्याय सिद्धांतों को लेकर कभी कोई समझौता नहीं किया। नवी के पूर्वज 1890 में मद्रास प्रेसीडेंसी से मजदूर के रूप में दक्षिण अफ्रीका गए थे। तब से यह परिवार वहीं रह रहा है। नवी का जन्म 1941 में डरबन में हुआ था। उन्होंने अपने दादा की जन्मभूमि का गौरव बढ़ाया है। आठ भाई बहनों के परिवार में उन्होंने अपने सभी भाई- बहनों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बुनियाद हिलनी चाहिए: जंतर-मंतर पर पहरा!

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके, प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आई। यूट्यूबर ध्रुव राठी को भी हिरासत में लिए जाने की सूचना दी गई। पार्टी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह सहित अन्य समर्थकों को भी पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा। विभिन्न स्थानों से सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबरों के बीच आंदोलन का नेतृत्व बिखरा हुआ दिखाई दिया। पार्टी ने इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे शांतिपूर्ण विरोध को रोकने वाला कदम बताया, लेकिन अपने घोषित कार्यक्रम को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाना उसके लिए बड़ी चुनौती बन गया। प्रदर्शन से पहले सीजेपी की ओर से जिस तरह का माहौल बनाया गया था, उससे राजनीतिक हलकों में बड़े आंदोलन की संभावना जताई जा रही थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी थी। प्रमुख मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती, वाहनों की जांच, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल की मौजूदगी ने प्रदर्शनकारियों की आवाजाही को सीमित कर दिया। मंडी हाउस और फिरोज शाह रोड जैसे क्षेत्रों में भी सुरक्षा बल तैनात किए गए।

- कुमार कृष्णन)

'सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।'
— दुष्यंत कुमार

दुष्यंत कुमार की ये पंक्तियां लोकतंत्र में विरोध की उस भावना को स्वर देती हैं, जिसका मकसद केवल शोर मचाना नहीं, बल्कि व्यवस्था से जवाब मांगना और बदलाव की राह खोलना है।

लेकिन जब मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए छात्र-युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक जंतर-मंतर जाना चाहें और राजधानी की सड़कें बैरिकेड, पुलिस बल तथा आवाजाही पर पाबंदियों से घिर जाएं, तो सवाल केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता। सवाल यह भी होता है कि भारतीय लोकतंत्र में असहमति के लिए कितनी जगह बची है और नागरिकों के सवालों का जवाब संवाद से दिया जाएगा या उन्हें रास्ते में ही रोक दिया जाएगा।

दिल्ली की सड़कों पर 10 अक्टूबर की सुबह जो दृश्य उभरा, वह केवल किसी एक राजनीतिक प्रदर्शन को रोकने के लिए की गई पुलिस व्यवस्था का दृश्य नहीं है। वह इस बड़े सवाल की ओर भी इशारा करता है कि भारतीय लोकतंत्र में असहमति के लिए कितनी जगह बची है। जब छात्र-युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज



उठाने के लिए जंतर-मंतर जाना चाहें और राजधानी की सड़कें बैरिकेड, पुलिस बल तथा आवाजाही पर पाबंदियों से घिर जाएं, तो सवाल सिर्फ कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता। सवाल नागरिक अधिकारों, चुनावी पारदर्शिता और सत्ता की जवाबदेही का भी बन जाता है।

10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने, यातायात प्रतिबंधों और मेट्रो स्टेशनों पर पाबंदियों को लेकर खबरें सामने आईं। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की और प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पहुंच रहे लोगों को अलग-अलग स्थानों पर रोका। समाचार एजेंसियों की रिपोर्टों के मुताबिक, प्रदर्शन से पहले और उसके दौरान बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया। हवाई अड्डे पर अभिजीत दीपके और उनके कुछ सहयोगियों को विमान से उतरने के बाद हिरासत में लिए जाने की खबर भी सामने आई। इन घटनाओं ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार और प्रशासनिक कार्रवाई की सीमाओं पर सवाल खड़े किए।

नेहा बोरा, दीपांकर भट्टाचार्य, प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव जैसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक हस्तियों तथा सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों की हिरासत का प्रसंग भी इसी व्यापक घटनाक्रम के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। इन लोगों को जंतर-मंतर के निकट विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने की खबरें पहले भी सामने आई थीं। 10 अक्टूबर को नेहा बोरा, योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण की गतिविधियों तथा पुलिस कार्रवाई से जुड़ी खबरें फिर चर्चा में रहीं। हालांकि, इन सभी को उसी दिन सफदरजंग फ्लाईओवर के पास एक साथ हिरासत में लिए जाने के दावे की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। घटनाओं के स्थान और समय में अंतर किए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की अग्निपरीक्षा -रूस पर टैरिफ की धमकी, फ़िर उसी से डीज़ल की डील!

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के आर्थिक परिदृश्य में सबसे चौंकाने वाला घटनाक्रम अमेरिका का रूस से डीजल मंगाने का फैसला है।ट्रंप के अनुसार,रूस तत्काल 3 लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में 5 लाख टन और आगे अतिरिक्त आपूर्ति की भी घोषणा की गई है।हालांकि, इन मात्राओं की वास्तविक आपूर्ति और समयसीमा रूस की रिफाइनरी क्षमता, परिवहन तथा प्रतिबंधों में दी गई छूट पर निर्भर करेगी। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल की बिक्री की अनुमति देने के लिए सीमित अवधि की छूट भी दी है। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका पहले रूस की ऊर्जा आय से उसकी युद्ध क्षमता मजबूत होने की आशंका जताते हुए रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कठोर आर्थिक कार्रवाई की बात करता रहा है। अब घरेलू ईंधन संकट के बीच रूस से ही आपूर्ति लेने की पहल ने अमेरिकी नीति की निरंतरता पर सवाल खड़े किए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस समझौते की आलोचना करते हुए इसे रूस के लिए आर्थिक लाभ बताया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले ईंधन की कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। किसान, ट्रक चालक और परिवहन क्षेत्र डीजल की कीमतों से सीधे प्रभावित होते हैं।आयोवा कंसास,टेक्सस और ओहायो जैसे राज्यों में महंगा ईंधन चुनावी माहौल को प्रभावित कर सकता है।इसलिए रूस से आपूर्ति बढ़ाने का फैसला आर्थिक राहत के साथ राजनीतिक दबाव से निपटने की कोशिश भी माना जा सकता है।लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल है,क्या रूस से आने वाला डीजल अमेरिकी बाजार की समस्या हल कर



देगा?अमेरिका प्रतिदिन लगभग 36 लाख बैरल डीजल का उपयोग करता है। घोषित पहली खेप लगभग 22.5 लाख बैरल के बराबर है, जो अमेरिकी दैनिक खपत के आधे से भी कम है। अतः यह एक दिन की खपत के मुकाबले उल्लेखनीय मात्रा जरूर है, लेकिन इससे लंबे समय का संकट समाप्त नहीं होगा।

साथियों बात अगर हम अमेरिका में कच्चा तेल पर्याप्त, फिर डीजल की किल्लत क्यों? इसको समझने की करें तो,यहां एक महत्वपूर्ण आर्थिक अंतर समझना आवश्यक है। कच्चा तेल निकालना और उससे आवश्यक मात्रा में डीजल तैयार करके बाजार तक पहुंचाना दो अलग प्रक्रियाएं हैं। किसी देश के पास विशाल तेल उत्पादन होने के बावजूद उसकी रिफाइनरी क्षमता, उत्पादन का मिश्रण,भंडार, पाइपलाइन,बंदरगाह और परिवहन व्यवस्था सीमित हो सकती है।वर्तमान संकट में मध्य-पूर्व की अस्थिरता, होर्मूज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में बाधाएं,रूस की रिफाइनरियों को नुकसान और विभिन्न देशों की निर्यात नीतियां डीजल की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। लाल सागर में जहाजों पर हमलों का खतरा भी परिवहन लागत और बीमा प्रीमियम बढ़ा सकता है।इसलिए कच्चे तेल का उत्पादन अधिक होना अपने आप सस्ते डीजल की गारंटी नहीं है।

साथियों बात अगर हम जी-7 और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के भंडारः क्या 10 करोड़ बैरल से संकट टलेगा? इसको समझने की करें तो, ऊर्जा बाजार को राहत देने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने 7 अक्टूबर को बताया कि मार्च 2026 में घोषित सामूहिक भंडार-मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक लगभग 32.5 करोड़ बैरल तेल जारी किया जा चुका है। पहले से घोषित भंडारों की शेष मात्रा जारी होने पर लगभग 10 करोड़ बैरल और बाजार में आ सकते हैं। सदस्य देशों के सार्वजनिक आपात भंडारों में करीब 110 करोड़ बैरल तेल के बराबर भंडार हैं, जिनमें 20 करोड़ बैरल से अधिक डीजल भी शामिल है।यह स्पष्ट करना जरूरी है कि 10 करोड़ बैरल को नया,अलग जी-7 पैकेज मानना सही नहीं होगा; यह मार्च में घोषित सामूहिक कार्रवाई के तहत अभी जारी किए जाने वाले शेष भंडार का अनुमान है। भंडार जारी करने से आपूर्ति का तत्काल दबाव घट सकता है, लेकिन यह स्थायी उत्पादन का विकल्प नहीं है। यदि होर्मूज में जहाजों की आवाजाही बाधित रहती है या रिफाइनरियों को नुकसान जारी रहता है, तो कीमतों में दोबारा सटीकता से उछाल आ सकता है।

साथियों बात अगर हम ईरान युद्ध और होर्मूजः ट्रंप की घोषणा से बाजार को कितनी राहत? इसको समझने की करें तो ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान पर हमला नहीं करेगा। इस घोषणा से तत्काल सैन्य तनाव बढ़ने की आशंका कुछ कम हुई और तेल बाजार को राहत मिली।हालांकि,यह युद्ध समाप्त होने की घोषणा नहीं है। होर्मूज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान का जोखिम अब भी बना हुआ है।9 अक्टूबर की बाजार रिपोर्टों में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत लगभग 104 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रही। इससे संकेत मिलता है कि राजनीतिक बयानबाजी से अल्पकालिक राहत मिल सकती है, लेकिन बाजार अभी भी आपूर्ति संबंधी जोखिमों को कीमतों में शामिल कर रहा है।

साथियों बात अगर हम डॉलर बनाम रुपयातेल की कीमतें भारत के लिए दोहरी चुनौती को समझने की करें तो, अंतरराष्ट्रीय तेल व्यापार में डॉलर की प्रमुख भूमिका के कारण महंगा कच्चा तेल भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए महत्वपूर्ण जोखिम है। यदि तेल महंगा रहता है और डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है, तो भारत को समान मात्रा में तेल खरीदने के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इससे आयात बिल, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।इसके विपरीत, ऊर्जा तनाव घटने और विदेशी निवेश लौटने से रुपये को सहारा मिल सकता है। मध्य- पूर्व के संकट के बीच डॉलर की मांग सुरक्षित निवेश के रूप में बढ़ सकती है।इसलिए डॉलर की वैश्विक स्थिति कमजोर होने की चर्चा के बावजूद उसके जल्द अपना प्रमुख स्थान खो देने का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। तेल का मूल्य निर्धारण, वैश्विक व्यापार, वित्तीय बाजारों की गहराई और डॉलर में उपलब्ध निवेश विकल्प इसकी स्थिति को मजबूत बनाए रखते हैं।

राशिफल

मेष- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझेगी, स्थिति पर नियंत्रण रखे असफलता अवश्य मिले।

वृष- कारोबार में लाभान्वित योजना बनेगी, कुछ नयी आशाऐं सफल अवश्य होगी।

मिथुन- कार्य कुशलता से संतोष, स्त्री वर्ग से हर्ष, कार्य व्यवसाय अवश्य ही होगा।

कर्क- धन लाभ आशानुकूल, सफलता का हर्ष, कार्य व्यवसाय अवश्य ही होगा।

सिंह- अधिकारियों की उपेक्षा से हानि होगी, मानसिक बेचैनी कार्य मे बाधा संभव होंगे।

कन्या- परिश्रम से सोचे कार्य में सफलता मिलेगी, संघर्ष की स्थिति अवश्य बनी ही रहेगी।

तुला- समृद्धि के साधन बनेंगे कार्य क्षमता अनुकूल, अधिकारियों से तनाव होगा।

वृश्चिक- भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े हुए कार्य बनेंगे समय का उपयोग अवश्य करे।

धनु- मानसिक क्लेश, मन अशांत रहेगा, धन हाथ से होकर जा रहे कार्य अवश्य बनेंगे।

मकर- मनोबल उत्साहवर्धक हो इष्ट मित्रों से परेशानी, किसी के धोखे से बचकर चलें।

कुंभ- दैनिक कार्यगति अनुकूल चिन्ताएं कम होगी, तटस्थता से कार्य निपटा लें।

मीन- कार्यगति अनुकूल चिन्ताएं कम होगी, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायेंगे ध्यान रखें।



भोलेनाथ की पूजा करते समय रखें इन बातों का ध्यान

पूजा-पाठ में विधि विधान का बहुत अधिक महत्व होता है। लोग घर में शुख-शांति के लिए पूजा-पाठ, हवन करते हैं। वैसे ही हर भगवान की पूजा करने का तरीका भी अलग-अलग होता है। वैसे ही भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की सभी मांगे पूरी होती है लेकिन भोलेनाथ की पूजा करते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। इनकी पूजा में की गलती से आप पैसों की तंगी से भी जूझ सकते है। आपको शिव जी की आराधना करते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि जब भी आप भगवान शिव की पूजा करें तो इस बात का ध्यान रखें कि पंचामृत, दूध आदि कांसे के बर्तन पर न रखे। इससे आपकी पूजा का कोई प्रभाव नहीं होगा। शिव की पूजा में बेलपत्र का विशेष महत्व है। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी कटे-फटे बेलपत्र भगवान को न चढाएं। इससे आपको इसका उल्टा मिलेगा। माना जात है कि घर में कभी भी एक साथ दो शिवलिंग की स्थापना नहीं करनी चाहिए। इससे घर में दरिद्रता और दुर्भाग्य आता है। इसलिए एक ही शिवलिंग स्थापित करें।

राम नाम से होगा बेड़ा पार



राम से बड़ा राम का नाम होता है। जहां भगवान राम की सेवा पूजा से केवल वही प्रसन्न होते हैं, राम का नाम लेने मात्र से ही भगवान राम सहित हनुमानजी तथा देवों के देव महादेव भी प्रसन्न होकर स्वयं मनोकामना पूर्ति करते हैं। राम नाम के ऐसे ही कुछ प्रयोग जो आपकी जिंदगी को पूरी तरह बदल देंगे।

रोज सुबह सेवा-पूजा के बाद तुलसी अथवा रूद्राक्ष की माला से 108 बार राम नाम का जप करें। इससे आपके ऊपर आने वाले कष्ट ऐसे खत्म हो जाएंगे जैसे सूर्य की धूप निकलते ही ओस की बूंदे उड़ जाती हैं। जब भी कोई बहुत बड़ी समस्या आ जाए और कोई उपाय न सुझाई दें, हनुमानजी की पूजा-अर्चना कर वहीं आसन पर बैठ जाएं और राम नाम का जप करते रहें। यदि हर मंगलवार तथा शनिवार को इस प्रयोग को करेंगे तो जीवन में कभी भी कोई भी कष्ट आपको परेशान नहीं कर पाएगा।

यदि आपको लगता है कि घर में किसी तरह की भूत प्रेत बाधा हो या कोई नकारात्मक शक्ति प्रवेश कर गई हो तो इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है कि गंगाजल को राम-राम जपते हुए पूरे घर में छिड़क दें। सायं काल पूजा के समय भी गोबर के उपले पर लौहबान तथा गूग्गल की जलाकर पूरे घर में धूनी दें। इससे तुरंत ही आपकी हर समस्या दूर हो जाएगी। अगर आप सुंदरकांड का पाठ करते हैं तो पाठ के आरंभ अथवा अंत में एक माला राम नाम के जप की कर लें। इससे हनुमानजी अत्यन्त प्रसन्न होकर आपकी हर अभिलाषा पूरी करेंगे।

अगर घर के किसी व्यक्ति या बच्चे को नजर लग गई हैं तो एक इलायची पर 21 बार राम नाम जप कर फूंक मारे और उसे खिला दें। तुरंत असर दिखाई देगा। मंगलवार को तीन बार राम का नाम लेकर हनुमानजी के निमित्त बंदरों को गुड़-चने खिलाएं। इससे शनि, राहू, केतु तथा मंगल ग्रहों द्वारा दिए जा रहे सभी प्रकोप तुरंत ही शांत हो जाएंगे और आपके घर में सुख-शांति का वास होगा।

कर्म व्यर्थ नहीं होता



अक्सर लोग कर्म और भाग्य के बारें में चर्चा करतें वक्त अपनें - अपनें जीवन में घटति घटनाओं के आधार पर निष्कर्ष निकालतें हैं,कोई कर्म को श्रेष्ठ मानता हैं,कोई भाग्य को ज़रूरी मानता हैं,तो कोई दोनों के अस्तित्व को आवश्यक मानता हैं.लेकिन क्या जीवन में दोनों का अस्तित्व ज़रूरी हैं ? गीता में श्री कृष्ण अर्जुन को कर्मफल का उपदेश देकर कहतें हैं।

कर्मण्यें वाधिकारवस्तें मा फलेषु कदाचन

अर्थात मनुष्य सिर्फ कर्म करनें का अधिकारी हैं,फल पर अर्थात परिणाम पर उसका कोई अधिकार नहीं हैं,आगे श्री कृष्ण बतातें हैं,कि यदि मनुष्य कर्म करतें करतें मर जाता हैं,और इस जन्म में उसे अपनें कर्म का फल प्राप्त नहीं होता तो हमें यह नहीं मानना चाहियें की कर्म व्यर्थ हो गया बल्कि यह कर्म अगले जन्म में भाग्य बनकर लोगों को आश्चर्य में ड़ालता हैं। यही कारण हैं,कि आज भी लोग किसी उच्च पदासीन व्यक्ति के घर जन्म लेनें वालें व्यक्ति के विषय में यही राय रखतें हैं,कि ज़रूर पूर्व जन्म के कर्म श्रेष्ठ रहें होगें तभी ऐसे घर जन्म मिला अब ये अलग बात हैं,कि अपनें पूर्वजन्मों के कर्म को कोई व्यक्ति कायम नहीं रख पाता और अपनें कदाचरण के द्धारा अपना आगें का जीवन बर्बाद कर लेता हैं,जबकि कुछ लोग पूर्वजन्मों के कर्म को आगें बढ़ाकर और श्रेष्ठ जीवन व्यतित करतें हैं,किसी कहा भी हैं,कि ÷भाग्यवान को वही मिलता हैं,जो कर्मवीर छोड़कर गया था ÷ और फिर भाग्य चमकता भी कितनें का हैं, लाखों में किसी एक का जबकि कर्मवीर का तो भाग्योदय तय होता हैं।

जो कर्म शरीर द्धारा होता हैं वह कायिक या शारीरिक कर्म होता हैं,अपनें शरीर द्धारा किसी मनुष्य जीव - जन्तु को कोई चोट् या आघात नही हो बल्कि सदैव शरीर दूसरों की भलाई के लिये तत्पर रहे यही कायिक कर्म होता हैं।

वाणी सदैव मीठी रहनी चाहियें क्योंकि ÷ ÷बाण से निकला तीर और मुहँ से निकली बोली कभी वापस नहीं आती ÷ दुर्योधन के प्रति द्रोपदी का यह कथन कि ÷ अन्धों के अन्धे होतें हैं÷ ने महाभारत कि रचना कर दी और भारत भूमि की सभ्यता संस्कृति को बदल दिया,दूसरी और मीठे बोलों ने कितनें ही क्रोध को शांत किया हैं कहा गया हैं।

कागो काको धन हरै,कोयल काको देय ? मीठे वचन सुनाइ के,जग अपनो कर लेई

जब श्री राम ने परशुराम के आराध्य शंकर का धनुष प्रत्यांचा चढ़ानें के लिये झुकाया तो धनुष टूट गया इस पर आगबबूला परशुराम फरसा लेकर राम के पास गये और कहा कि किसनें मेरें आराध्य का धनुष तोड़ा हैं,वो मेरा सामना करें इस पर श्री राम ने कहा प्रभु में तो सिर्फ राम ही हूँ आप तो ÷परशुराम÷ हैं,मैं आपसे कैसें युद्ध कर सकता हूँ,इतना कहतें ही परशुराम का गुस्सा सातवें आसमान से सीधें जमीन पर आ गया और उन्होनें राम को गले लगाकर कहा राम तुम वास्तव में धनुष पर प्रत्यांचा चढ़ानें के अधिकारी हो,कहनें का तात्पर्य यही कि मधुरवाणी वीरो का आभूषण हैं।

तीसरा कर्म मानसिक कर्म हैं,मन में हम जो सोचतें हैं,विचार करतें हैं वही कायिक और वाचिक कर्म का आधार हैं,कहतें हैं,कि विचारों की शक्ति दूर बैठें व्यक्ति को भी प्रभावित करती हैं,यही कारण हैं,कि लोग प्रार्थना को ईश प्राप्ति का साधन मानतें हैं। वास्तव में हम सर्वाधिक कर्म मानसिक रूप में ही करतें हैं,इसलिए भारतीय मनीषी कहतें हैं,कि आदमी जैसा सोचता हैं,वैसा बन जाता हैं।

कलाकृतियाँ को सही तरीके से वास्तु के हिसाब से सजाएं



कलाकृतियाँ सिर्फ कला दीर्घाओं की ही शोभा नहीं बढ़ातीं बल्कि घर को इनसे एक अलग पहचान मिलती है। लोग इन्हें वास्तु के हिसाब से भी सजाते हैं। पेंटिंग आपके घर के इंटीरियर को बेहतर बनाती हैं। तो लगाती ही है, लेकिन अगर आप सही पेंटिंग का चयन करें तो यह घर में खुशी और समृद्धि भी लाती है। वहीं ऐसा नहीं होने पर इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अगर पेंटिंग के चयन में सावधानी बरती जाए तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होती है।

पेंटिंग में रंगों का एक अलग स्थान होता है। हरियाली से युक्त, सूर्य की चमकती रोशनी और साफ नीले आसमान वाली पेंटिंग लिविंग रूम के लिए अच्छी मानी जाती है। ऐसी कलात्मक चीजें दक्षिण-पूर्व दिशाओं के लिए बेहतर हैं। गौर करने वाली बात है कि पेंटिंग ऐसी हो, जो ऊर्जा प्रदायिनी तथा प्रसन्नता देने वाली हो।

नीले रंग की पेंटिंग उत्तर दिशा की दीवार पर बेहतर मानी जाती है। हरे या उससे मिलते-जुलते रंग पूर्व दिशा की दीवार पर लगाने से घर में खुशहाली आती है। लाल या संतरी रंग दक्षिण दिशा में हो तो बेहतर रहता है। बच्चों के कमरे में पेंटिंग लगाते समय गुलाबी, जामुनी या नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए। लाल और सफेद रंग का प्रयोग कहीं भी किया जा सकता है।

योग के साथ ही ऋषि मुनियों की शिक्षा को अपनाएं



आजकल की भागदौड वाली जीवन शैली तथा मिलावटी भोजन और फास्ट फुड व्यक्ति की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। इसलिए हमें निरोग और ऊर्जावान रहने के लिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव करना बेहद जरूरी है और इसके साथ प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हुए योग को जीवन चर्या में शामिल करना होगा। योग अनेक बीमारियों में कारगर हैं। प्रदूषण के विकराल स्तर पर पहुंचने और जीवन शैली के (खास करके नई पीढ़ी की) पश्चिमी देशों के गुलाम बन जाने से हम कम उम्र में ही गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने ऋषि मुनियों की शिक्षा को अपनाएं जिन्होंने योग और उत्तम जीवन शैली के माध्यम से सौ साल से भी अधिक समय तक निरोगी रहकर जीवन साधना की। योग विश्व को भारत की ही देन है लेकिन पश्चिम इसे जब योगा कहता है तो हम उनकी हर बात को आखें बंद कर विश्वास करने लगते हैं। हम अपनी अच्छाइयों से दूर होते जा रहे हैं और गलत आचरण अपनाने लगे हैं। खाने-पीने से लेकर उठने-बैठने यहां तक की चलने में भी हम सब भेड़ चाल अपना रहे हैं और साथ ही कहते हैं कि वर्तमान में सब कुछ प्रदूषित हो गया है। दुख की बात है कि हम अपनी तरफ नहीं देखते। स्वस्थ और स्लिम ट्रिम बनने के लिए हजारों रुपये लगाकर जिमखानों के चक्कर लगाते हैं और जीवन के लिए बेहद आवश्यक और वैज्ञानिक जीवन शैली योग को दरकिनार करते हैं।



बीजिंग में चीन ओपन टेनिस में महिलाओं के एकल सेमीफाइनल में रिटर्न शॉट लगाती हुई चीन की झेंग क्वीनविन।

आईपीएल नीलामी में सूर्यकुमार सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती हैं टीमें



मुम्बई (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 2027 सत्र की तैयारियों जारी है। आईपीएल के इस 20वें सत्र के लिए इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी में कई टीमें अपने स्टार खिलाड़ियों को भी टीमें रिलीज कर सकती है। इस सूची में सूर्यकुमार यादव से लेकर राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी भी शामिल है। टी20 क्रिकेट के दिग्गज सूर्यकुमार यादव के लिए भी स्थिति इस बार बेहद कठिन दिख रही है। मुंबई इंडियंस के इस दिग्गज बल्लेबाज का प्रदर्शन पिछले दो सत्र में अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। ऐसे सूर्या को भी फ्रेंचाइजी रिलीज करने पर विचार कर सकती है, जो कई प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका होगा।

इसमें गुजरात टाइटंस के फिनिशर के तौर पर जाने जाने वाले राहुल तेवतिया का नाम भी शामिल है। राजस्थान रॉयल्स की ओर से आक्रामक पारियों से पहचान बनाने वाले तेवतिया पिछले दो सत्र से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उनकी बल्ले की खामोशी टीम के लिए चिंता का विषय रही है, जिसके चलते उन्हें रिलीज किए जाने की पूरी संभावना है।

युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को भी दिल्ली कैपिटल्स से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। हालांकि, उन्हें पिछले सीजन में ज्यादा मौके नहीं मिले थे, लेकिन फ्रेंचाइजी उनके लगातार प्रदर्शन में कमी को देखते हुए यह कड़ा फैसला ले सकती है।

इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) भी इंग्लैंड के बल्लेबा जैकब बेथेल को रिलीज कर सकती है। बेथेल आरसीबी के लिए कुछ खास छाप नहीं छोड़ पाए हैं और अब वह दोबारा नीलामी पूल का हिस्सा बन सकते हैं।

इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले सरफराज खान को भी चेन्नई सुपर किंग्स से रिलीज किया जा सकता है। पिछले सीजन में उन्हें पर्याप्त मौके मिले, पर वह उनका फायदा उठाने में विफल रहे, जिसके बाद चेन्नई एक नए सिरे से टीम बनाने की योजना बना सकती है।

इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान एडेन मार्करम को भी बाहर किया जा सकता है। उनका प्रदर्शन भी उतना प्रभावी नहीं रहा है जितनी उम्मीद की गई थी। ऐसे में सनराइजर्स हैदराबाद उन्हें रिलीज करने का फैसला ले सकती है ताकि नीलामी में नए विकल्पों पर दांव लगा सके।

अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से रिलीज हो सकते हैं। हाल के समय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में केकेआर भी अब युवा और नए चेहरों को मौका देना चाहेगी।

राजस्थान रॉयल्स भी वेस्टइंडीज के शिमरन हेटमायर को बाहर कर सकती है। हेटमायर भी पिछले सत्र में विफल रहे हैं। उनकी निरंतरता की कमी से फ्रेंचाइजी निराश है। जिसके चलते उन्हें भी रिलीज किए जाने की संभावना है। इस खिलाड़ियो की जगह टीम उन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं जिनका प्रदर्शन हाल में अच्छा रहा है।

ब्रॉड की सदी के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटरों की सूची में सचिन सहित तीन भारतीय शामिल

लंदन (ए)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 21वीं सदी के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों की अपनी शीर्ष-10 खिलाड़ियों की सूची जारी की है। इसमें तीन भारतीय खिलाड़ियो को जगह मिली है। इस सूची में महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को शीर्ष पर रखा है परन्तु हैरानी की बात है कि विराट को अंतिम स्थान दिया है। ब्रॉड ने पिछले 26 सालों में टेस्ट क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने वाले खिलाड़ियों को ही इस सूची में



जगह दी है। ब्रॉड ने जोस बटलर के साथ एक बातचीत के दौरान इस सूची को अंतिम रूप दिया।

ब्रॉड की इस सूची में तेंदुलकार के आलाव राहुल द्रविड़ और विराट को जगह मिली है। इन तीनों दिग्गजों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में कुल 38,439 रन बनाए हैं और कुल 117 शतक लगाये हैं। ब्रॉड की रैंकिंग में विराट को 10वें स्थान रखे जाने से प्रशंसक हैरान हैं जबकि राहुल द्रविड़ 9वें स्थान पर हैं। अपनी इस सूची में ब्रॉड ने अपने देश इंग्लैंड से केवल जो रूट को शामिल किया है, रुट अभी टीम के टेस्ट कप्तान है और 14,000 से अधिक रन बना चुके हैं।

अक्टूबर में कई दिन बंद रहेंगे बैंक

त्योहारी सीजन के चलते देश के विभिन्न शहरों में बैंक अवकाश अलग-अलग, देखें पूरी सूची

नई दिल्ली (ए)। इस सप्ताह कब कब और कितने दिन बंद रहेंगे बैंक, यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी छुट्टियों की सूची के अनुसार अक्टूबर महीने में दुर्गा पूजा और दशहरे जैसे प्रमुख त्योहारों के कारण बैंकों में कई दिन कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपका बैंक संबंधी कोई जरूरी काम है, तो घर से निकलने से पहले अपनी छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें। आरबीआई हर साल बैंक छुट्टियों की एक सूची जारी करता है, जो पूरे देश में एक जैसी नहीं होती। कुछ छुट्टियां राष्ट्रीय स्तर पर लागू होती हैं, जबकि कुछ राज्यों में स्थानीय त्योहारों और खास मौकों के कारण बैंक बंद रहते हैं। इसलिए, बैंक जाने से पहले अपने शहर में बैंक की छुट्टियों की सूची चेक कर लेना आपके लिए सही रहेगा।

बैंक जाने से पहले, अपने बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या आरबीआई की छुट्टियों की सूची में संबंधित शहर का नाम जांचना सुनिश्चित करें। इससे आप बेवजह की परेशानी से बच सकते हैं और अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे।

अक्टूबर में इन तारीखों को बंद रहेंगे बैंक-

- 17 अक्टूबर, शनिवार: अगरतला में महा सप्तमी की छुट्टी।
- 18 अक्टूबर, रविवार: साप्ताहिक अवकाश।
- 19 अक्टूबर, सोमवार: कई राज्यों में दुर्गा पूजा/महानवमी की छुट्टी।
- 20 अक्टूबर, मंगलवार: कई शहरों में दशहरा/विजयादशमी की छुट्टी।
- 21 अक्टूबर, बुधवार: कुछ राज्यों में विजयादशमी/दुर्गा पूजा की छुट्टी।
- 24 अक्टूबर, शनिवार: महीने का चौथा शनिवार।
- 25 अक्टूबर, रविवार: साप्ताहिक अवकाश।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 9 जनवरी से शुरू होगा

नई दिल्ली (ए)। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की एक बार फिर वापसी होने जा रही है। इस लीग का बहुप्रतीक्षित छठा सत्र 9 जनवरी 2027 से शुरू होगा। लीग का आयोजन भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के साथ मिलकर केडी जाधव कुश्ती एरिना में आयोजित किया जाएगा। लीग के छठे सीज़न में कुल छह फ्रेंचाइजी, जिनमें टाइगर्स ऑफ मुंबई डंगल्स, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डोमिनेटर्स शामिल हैं, खिताब के लिए उतरेंगे। इस प्रतियोगिता में भारत और विदेशों के कुल 86 पहलवान हिस्सा लेंगे, जिनमें 34 ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स तथा विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। जापान की ओलंपिक चैंपियन युई सुसाकी जैसी अंतरराष्ट्रीय स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी प्रशंसकों के लिए विशेष



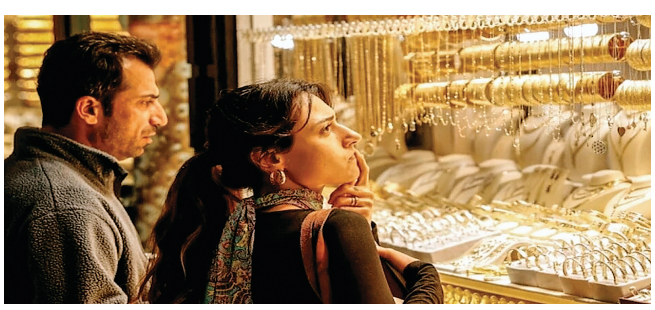
आकर्षण का केंद्र होगी।लीग में पुरुषों और महिलाओं के कुल नौ ओलंपिक भार वर्गों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के दो राउंड होंगे, और पावर मिनट का नियम रोमांच को बढ़ाएगा, जहां मुकाबले के आखिरी 60 सेकंड में हासिल किए गए अंक दोगुने गिने जाएंगे, जिससे परिणाम अंतिम क्षणों में भी बदल सकता है।

प्रो रेसलिंग लीग के चेयरमैन दयान फारूकी ने इस वापसी को भारत की समृद्ध कुश्ती विरासत का उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि यह लीग खेल को वैश्विक मानकों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में देशभर के विभिन्न शहरों में मुकाबले आयोजित करने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक प्रशंसकों को विश्वस्तरीय कुश्ती का अनुभव मिल सके।

ओलंपिक पदक विजेता और एशियन गेम्स 2026 के स्वर्ण पदक विजेता अमन सहरावत ने लीग की वापसी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह लीग कुश्ती को नए दर्शकों तक पहुंचाएगी और युवा खिलाड़ियों को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी। वहीं, एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता सुजीत कलकल ने कहा कि पीडब्ल्यूएल ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव और आत्मविश्वास दिया है, जो युवा प्रतिभाओं के लिए एक बेहतरीन मंच साबित होगा।

गौरतलब है कि साल 2015 में शुरू हुई इस लीग के पांच सफल सीजन आयोजित हो चुके हैं, जिसमें हरियाणा थंडर्स ने पिछले सत्र में दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 5-4 से हराकर खिताब जीता था। आयोजकों ने बताया कि छठे सीज़न के प्रसारण साझेदारों, खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख और आयोजन स्थल से जुड़ी विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में घोषित की जाएगी।

सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट सोना 747 रुपए और चांदी 555 रुपए सस्ती हुई



नई दिल्ली (ए)। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय वायदा बाजार (एमसीएक्स) में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर सोना 747 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 150752 रुपये पर आ गया, जबकि चांदी के दाम भी 555 रुपये प्रति किलोग्राम गिरकर 225200 रुपये पर पहुंच गए। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी में मामूली बढ़त देखी जा रही है। वैश्विक तनाव और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी को इस गिरावट का मुख्य कारण माना जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने का रेट 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ 4231 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, वहीं चांदी भी 0.54 फीसदी की तेजी के साथ 61 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। इसके बावजूद घरेलू वायदा बाजार में गिरावट ने निवेशकों को चौंकाया है। देशभर के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के भाव में आज ज्यादा अंतर देखने को नहीं मिल रहा है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 15,156 रुपये प्रति ग्राम पर, जबकि 22 कैरेट सोना 13,894 रुपये प्रति ग्राम पर मिल रहा है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और केरल जैसे शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव 15,141 रुपये प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोने का भाव 13,879 रुपये प्रति ग्राम के आसपास बना हुआ है। अहमदाबाद और वडोदरा में भी कीमतें थोड़ी अलग हैं, जहां 24 कैरेट सोना 15,146 रुपये प्रति ग्राम पर है। चांदी की कीमतों में भी बीते दिनों उतार-चढ़ाव दिखा है। 999 शुद्ध चांदी का भाव हाल ही में 2,21,109 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था, जबकि उससे एक दिन पहले यह 2,17,106 रुपये प्रति किलो और उससे पहले 2,22,866 रुपये पर बंद हुआ था। जानकारों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव, डॉलर की चाल, अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें और वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। इसके अलावा, अमेरिकी बॉन्ड में देखी जा रही बढ़त भी सोने की कीमतों पर दबाव बना रही है, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग प्रभावित हुई है।

नशे के कारोबार पर ग्वालियर पुलिस का प्रहार, हजीरा में करीब डेढ़ लाख का गांजा जब्त

एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई, 2 किलो 996 ग्राम गांजे के साथ 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार; मोबाइल और नकदी भी जब्त

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। जिले में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पर अंकुश लगाने के लिए ग्वालियर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना हजीरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरामील रोड स्थित श्री पटरी वाले बालाजी के पास से एक युवक को गांजे के साथ पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलो 996 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई को जिले में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध पुलिस की सतर्कता और सक्रियता



के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, 8 अक्टूबर 2026 को थाना हजीरा को सूचना मिली थी कि आरामील रोड के पास एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर बैठा है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल के निर्देश पर थाना पुलिस की टीम गठित कर मौके पर भेजी गई। सीएसपी महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर संदिग्ध की तलाशी ली।

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए युवक की पहचान सचिन रजक (19), निवासी ग्राम इकहारा, थाना बिजौली, जिला ग्वालियर के रूप में हुई। उसके पिट्ठू बैग में सफेद पॉलीथिन के अंदर गांजा रखा मिला। तौल कराने पर गांजे का कुल वजन 2 किलो 996 ग्राम पाया गया। पुलिस ने गांजे के साथ एक मोबाइल फोन और 230 रुपये नकद भी जब्त किए हैं।

मामले में थाना हजीरा में अपराध क्रमांक 315/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में प्रकरण दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब गांजे की आपूर्ति और उसके स्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या नेटवर्क सक्रिय है या नहीं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह तोमर, उपनिरीक्षक राजकुमार राजावत, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र तोमर तथा आरक्षक ध्रुव सिंह गुर्जर, प्रमोद शर्मा, अखिलेश छारी और योगेंद्र सिंह तोमर की भूमिका रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देशों के तहत जारी अभियान के बीच यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में पुलिस की एक महत्वपूर्ण पहल है।

रामचंद्र कुकरेजा के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

ग्वालियर में आबकारी विभाग की कार्रवाई, मकान से 92.07 बल्क लीटर शराब जब्त

लश्कर के लाला का बाजार में दबिश, जब्त मदिरा की कीमत करीब एक लाख रुपये

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। अवैध मदिरा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने लश्कर क्षेत्र के लाला का बाजार स्थित एक रिहायशी मकान पर दबिश देकर 92.07 बल्क लीटर शराब जब्त की है। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। मामले में रामचंद्र कुकरेजा के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश, आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन और सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। विभाग को मुखबिर से अवैध मदिरा के संबंध में सूचना मिली थी, जिसके आधार पर टीम ने संबंधित मकान की तलाशी ली।

अलग-अलग ब्रांड की शराब बरामद

कार्रवाई के दौरान ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज, आइकॉनोक व्हाइट, मैकडॉवेल्स नंबर-1 और बैकबेचर व्हिस्की की 12-12 बोतलें बरामद की गईं। इसके अलावा बैगपाइपर व्हिस्की की छह, मैजिक मोमेंट्स वोदका की तीन और ऑल



सीजन व्हिस्की की एक बोतल जब्त की गई। टीम को ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की के 24 हाफ, किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर के 24 कैन, देशी मदिरा प्लेन के 59 पाव और देशी मदिरा मसाला के 15 पाव भी मिले।

मौके पर नहीं मिला संबंधित व्यक्ति

विभागीय जानकारी के अनुसार, पूछताछ और पड़ताल के दौरान मकान रामचंद्र कुकरेजा का होना सामने आया। कार्रवाई के समय वह मौके पर मौजूद नहीं मिला। आबकारी विभाग ने उसके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

आबकारी टीम रही मौजूद

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक रवि सिसोदिया, हरेंद्र सिंह मावई और रोशनी पाटीदार सहित मुख्य आरक्षक अशोक शर्मा एवं प्रकाश सखावार तथा आरक्षक पंकज शर्मा, राघवेन्द्र भदौरिया, अंजली शर्मा और संजय दोहरे की भूमिका रही। विभाग ने कहा है कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, संग्रहण और परिवहन के विरुद्ध अभियान के तहत कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एक अधिकारी को परिवहन विभाग में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, नई सूची पर टिकी निगाहें

राजधानी में मजबूत संपर्क और पिछली सूची में अचानक सामने आए नाम की चर्चा, मुख्यमंत्री स्तर पर अंतिम निर्णय के बाद ही तस्वीर होगी साफ



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ग्वालियर से जुड़े एक अधिकारी को आगामी प्रशासनिक सूची में परिवहन विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की चर्चाएं तेज हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चल रही अटकलों के बीच दावा किया जा रहा है कि अधिकारी की राजधानी में मजबूत होती पकड़ के चलते उनका नाम संभावित सूची में शामिल बताया जा रहा है। सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि मुख्यमंत्री स्तर पर अंतिम निर्णय के लिए तैयार की जा रही सूची में अधिकारी का नाम शामिल हो सकता है। यदि इन चर्चाओं पर मुहर लगती है, तो परिवहन विभाग में उन्हें अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। फिलहाल सभी की निगाहें आगामी सूची जारी होने पर टिकी हैं गौरतलब है कि इससे पहले जारी हुई एक सूची में भी अधिकारी का नाम अचानक सामने आने की चर्चा रही थी। अब एक बार फिर संभावित फेरबदल के बीच उनका नाम सुर्खियों में बताया जा रहा है। राजधानी में संपर्क, प्रशासनिक समीकरण और महत्वपूर्ण पदों को लेकर चल रही चर्चाओं ने इस पूरे मामले को दिलचस्प बना दिया है हालांकि, किसी अधिकारी को महत्वपूर्ण पद मिलने के पीछे किन प्रशासनिक मानकों और निर्णयों की भूमिका रहती है, यह अंतिम आदेश सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल परिवहन विभाग में संभावित नियुक्ति को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। अब देखना होगा कि आगामी सूची में वास्तव में किस अधिकारी को जिम्मेदारी मिलती है और ग्वालियर से जुड़े इस नाम को लेकर चल रही अटकलें कितनी सही साबित होती हैं।

बेला की बावड़ी से शहर में भारी वाहनों की एंट्री, हादसे का इंतजार कर रहा पुलिस प्रशासन!

नो-एंट्री में प्रवेश के नाम पर वसूली के आरोप, आरक्षक रवींद्र गुर्जर की भूमिका पर उठे सवाल; ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से कथित वसूली के दावों की वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराने की जरूरत।

अचलेश्वर एक्सप्रेस

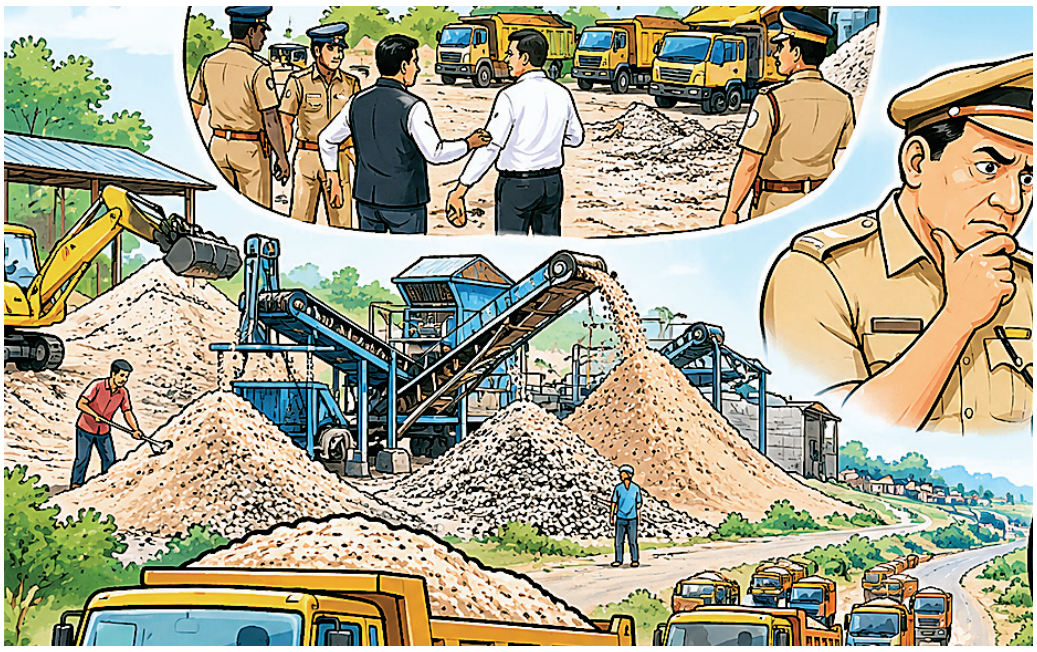
ग्वालियर। शहर में नो-एंट्री के बावजूद बेला की बावड़ी से भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर एक बार फिर पुलिस व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर सवाल खड़े हो रहे हैं। खाकी महकमे से जुड़े सूत्रों के दावे के अनुसार, नो-एंट्री के दौरान शहर में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों को बेला की बावड़ी पॉइंट से गुजरना पड़ता है। आरोप हैं कि इस पॉइंट पर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों से आरक्षक रवींद्र गुर्जर कथित तौर पर पैसे लेता है। रवींद्र



गुर्जर गिरवाई थाने में पदस्थ बताया जा रहा है। और कथित लेन-देन से जुड़े किसी भी दावे पर आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से वास्तव में किसी प्रकार की वसूली की जा रही है, तो इसके पीछे की वास्तविक स्थिति क्या है? कथित रूप से लिया जाने वाला पैसा कहां जाता है और क्या इस पूरे मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका है? फिलहाल इन सवालों के जवाब स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में बिना जांच किसी अधिकारी या अन्य पुलिसकर्मी की संलिप्तता मान लेना उचित नहीं होगा। मामले की निष्पक्ष जांच कराकर तथ्यों को सामने लाना वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी है।दूसरी ओर, नो-एंट्री के दौरान भारी वाहनों का शहर के भीतर प्रवेश आम नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर विषय है। शहर की सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। पूर्व में भी भारी वाहनों से जुड़ी दुर्घटनाओं में लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में यातायात नियमों के पालन और प्रतिबंधित समय में वाहनों के प्रवेश पर प्रभावी नियंत्रण बेहद जरूरी है।अब सवाल पुलिस और यातायात व्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारियों से है कि बेला की बावड़ी पॉइंट पर नो-एंट्री का पालन किस तरह कराया जा रहा है? क्या वहां तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी और भारी वाहनों के प्रवेश की नियमित निगरानी होती है? यदि वसूली संबंधी दावों में सच्चाई है, तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी? वरिष्ठ अधिकारियों को मौके की जांच, ड्यूटी रिकॉर्ड और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि किसी निर्दोष कर्मचारी पर आरोप न लगे और दोषी पाए जाने वालों को संरक्षण न मिल सके। शहरवासियों को किसी बड़े हादसे के बाद कार्रवाई का इंतजार नहीं, बल्कि उससे पहले प्रभावी व्यवस्था चाहिए।

चैत गांव में नकली रेत के कारोबार पर फिर सवाल, खनिज विभाग की निगरानी कितनी मजबूत? सड़कों पर दौड़ते डंपरों की जांच जरूरी

तीन अवैध ठिकानों पर कार्रवाई के बाद भी मौजूदा स्थिति पर उठ रहे सवाल; संबंधित थाना क्षेत्र की भूमिका और रेत के परिवहन की जांच कराए प्रशासन



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। चैत गांव में कंक्रीट पीसकर रेत जैसी सामग्री तैयार करने के कथित कारोबार ने एक बार फिर खनिज विभाग की निगरानी और प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 23 अगस्त 2026 को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने गांव में ऐसे तीन ठिकानों पर कार्रवाई की थी। उस दौरान करीब 40 ट्रॉली सामग्री नष्ट कराने और अवैध ठिकानों तक पहुंचने वाले रास्ते बंद कराने की जानकारी सामने आई थी। अब सबसे अहम सवाल यह है कि उस कार्रवाई के बाद इन ठिकानों की वर्तमान स्थिति क्या है और क्या ऐसी गतिविधियों पर स्थायी रोक सुनिश्चित हो सकी है?चैत गांव में रेत जैसी सामग्री तैयार किए जाने और डंपरों के माध्यम से उसके परिवहन को लेकर उठ रहे सवालों के बीच खनिज विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। विभाग को मौके का दोबारा निरीक्षण कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि सामग्री किस प्रकार तैयार की जा रही है, उसके भंडारण और बिक्री के लिए जरूरी अनुमति उपलब्ध है या नहीं तथा परिवहन में लगे वाहनों के पास वैध दस्तावेज हैं या नहीं। यदि नियमों का उल्लंघन मिलता है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।सड़कों पर दौड़ने वाले डंपरों की भी जांच जरूरी है। बिना वैध दस्तावेज या निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चलने वाले वाहन आम लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। ऐसे में परिवहन और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।इस पूरे मामले में संबंधित थाना क्षेत्र की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या पुलिस को इन गतिविधियों की जानकारी है? क्या पहले की कार्रवाई के बाद निगरानी जारी रही? किसी पुलिसकर्मी या विभाग पर संरक्षण देने का आरोप बिना प्रमाण के नहीं लगाया जा सकता, लेकिन निष्पक्ष जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। अब जिला प्रशासन और खनिज विभाग को चैत गांव की मौजूदा स्थिति की जांच कर कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पहले की कार्रवाई का असर कायम है या कारोबार पर दोबारा अंकुश लगाने की जरूरत है।

पिछोर में अवैध रेत के नेटवर्क पर लगाम लगाने में खनिज विभाग नाकाम

खनिज विभाग की निगरानी के बावजूद रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने की चुनौती; सवाल यह भी कि आखिर किन रास्तों से गुजर रहा रेत का कारोबार और जिम्मेदारों की नजर इस नेटवर्क तक क्यों नहीं पहुंच रही?

ग्वालियर/पिछोर। पिछोर क्षेत्र में रेत के अवैध कारोबार को लेकर खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। रेत के उत्खनन, परिवहन और कारोबार से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी खनिज विभाग की है, लेकिन यदि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, तो यह विभागीय निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता की समीक्षा करने का विषय है। सवाल सीधा है–क्या विभाग अवैध रेत के नेटवर्क को तोड़ने में नाकाम साबित हो रहा है, या फिर इस पूरे कारोबार को लेकर विभागीय स्तर पर कहीं ऐसी ढिलाई है, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी हो गई है?रेत का अवैध कारोबार केवल राजस्व की हानि तक सीमित नहीं है। बिना वैध अनुमति उत्खनन, निर्धारित मात्रा से अधिक खनन और नियमों के विरुद्ध परिवहन जैसी गतिविधियां पर्यावरण, नदी-तंत्र, सड़कों और यातायात सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकती हैं। ऐसे में यह देखना जरूरी है कि पिछोर क्षेत्र में रेत के स्रोतों, परिवहन मार्गों, वाहनों और वैध खनन संबंधी दस्तावेजों की नियमित जांच कितनी प्रभावी ढंग से की जा रही है।निगरानी व्यवस्था पर उठते सवालः यदि अवैध रेत का परिवहन हो रहा है, तो संबंधित वाहनों की जांच, रॉयल्टी और परिवहन दस्तावेजों का सत्यापन तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई किस स्तर पर की जा रही है? खनिज विभाग के साथ स्थानीय प्रशासन और पुलिस के बीच समन्वय की स्थिति भी समीक्षा का विषय है। केवल छिटपुट कार्रवाई से किसी संगठित नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना मुश्किल हो सकता है। इसके लिए नियमित निगरानी, सूचना तंत्र और कार्रवाई के परिणामों का आकलन जरूरी है।संरक्षण की आशंका या निगरानी में चूक? क्षेत्र में अवैध कारोबार की शिकायतें सामने आने पर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिम्मेदार एजेंसियां समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहीं। हालांकि, बिना दस्तावेजी साक्ष्य किसी अधिकारी या कर्मचारी पर अवैध कारोबार को संरक्षण देने का आरोप लगाना उचित नहीं होगा। लेकिन यदि किसी स्तर पर मिलीभगत, लापरवाही या जानबूझकर अनदेखी की आशंका है, तो उसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि अवैध गतिविधियां कहां से संचालित हो रही हैं, किन मार्गों से परिवहन हो रहा है और शिकायतों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई है जवाबदेही तय करना जरूरीः जिला प्रशासन और खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पिछोर क्षेत्र में खनन स्थलों, परिवहन मार्गों और राजस्व अभिलेखों की जांच करानी चाहिए। वैध खदानों से जारी रॉयल्टी, परिवहन दस्तावेजों और वास्तविक आवाजाही का मिलान किया जाए। जहां अनियमितता मिले, वहां नियमानुसार कार्रवाई हो और यदि विभागीय लापरवाही सामने आए, तो जिम्मेदारी भी तय की जाए अब बड़ा सवाल यही है कि पिछोर में रेत के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए खनिज विभाग ठोस कार्रवाई कब करेगा? क्या विभाग निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर नेटवर्क तोड़ने की दिशा में कदम उठाएगा, या शिकायतों और सवालों के बीच कार्रवाई का इंतजार जारी रहेगा? इन सवालों का जवाब केवल बयान से नहीं, बल्कि जांच, पारदर्शी कार्रवाई और ठोस परिणामों से मिलना चाहिए।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुआ था विवाद

थाना परिसर में विवाद के बाद पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, स्थाई वारंट में भी था वांछित

हत्या के प्रयास, चोरी, जुआ और मारपीट सहित पांच पुराने अपराध दर्ज होने की जानकारी

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। थाना ग्वालियर परिसर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद के मामले में पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। मामले में फरियादी कुलदीप सिकरवार की रिपोर्ट पर विकास उर्फ ब्लैकी कुशवाह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को पूर्व से जारी स्थाई गिरफ्तारी वारंट के पालन में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।



पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 6:30 बजे कुलदीप सिकरवार और विकास उर्फ ब्लैकी कुशवाह के बीच पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज और विवाद हुआ था। इसी सिलसिले में दोनों पक्ष अलग-अलग समय पर थाना ग्वालियर पहुंचे थे। थाना परिसर में आमना-सामना होने पर दोनों के बीच फिर से कहासुनी और झगड़े की स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति संभाली।

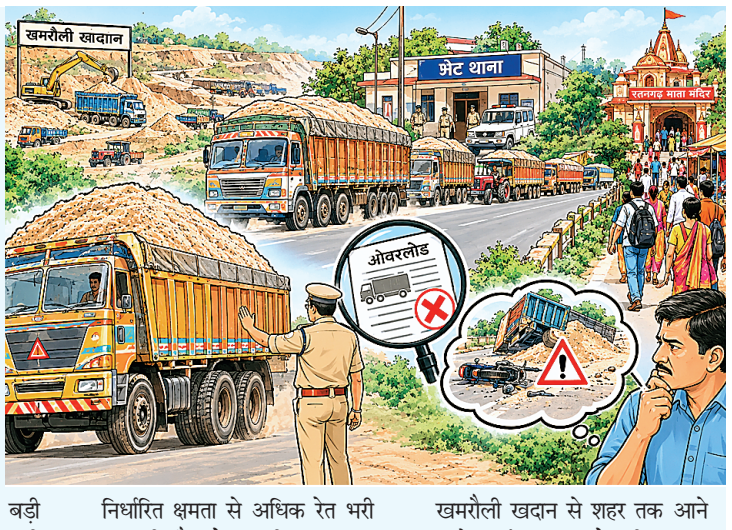
पुलिस के मुताबिक, आरोपी विकास उर्फ ब्लैकी कुशवाह के खिलाफ पूर्व में हत्या के प्रयास, चोरी, जुआ और मारपीट सहित पांच अपराध दर्ज हैं। उसके विरुद्ध पुराने मामले में स्थाई गिरफ्तारी वारंट भी जारी था। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 551/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 और 351(3) में मामला दर्ज किया। इसके बाद स्थाई वारंट के पालन में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

खमरौली खदान से निकल रहे ओवरलोड रेत के डंपर, थाना के सामने से गुजर रहे भारी वाहन; हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन?

बेहट थाना, हस्तिनापुर और उटीला होकर शहर में प्रवेश कर रहे रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर, रतनगढ़ माता मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। खमरौली खदान से निकल रहे रेत से भरे ओवरलोड डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। आरोप है कि खदान से निकलने वाले ये भारी वाहन बेहट थाना, हस्तिनापुर और उटीला के रास्ते होते हुए शहर में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इन वाहनों की ओवरलोडिंग और आवाजाही की निगरानी कौन कर रहा है? रतनगढ़ माता मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान यह मार्ग और भी संवेदनशील हो जाता है। दिन के समय हो या रात का वक्त, भेंट थाना के सामने से रेत से भरे भारी वाहनों का गुजरना यातायात व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाता है। यदि इन वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक रेत भरी जा रही है, तो इसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई किया जाना जरूरी है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले इन वाहनों की निगरानी और ओवरलोडिंग की जांच के लिए क्या प्रभावी व्यवस्था है? प्रशासन और संबंधित विभागों को खमरौली खदान से शहर तक आने वाले मार्ग पर वाहनों की क्षमता, दस्तावेजों और यातायात नियमों की जांच करानी चाहिए। श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए समय रहते कदम उठाना जरूरी है, ताकि किसी संभावित हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने की नौबत न आए।



स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक पूनम विश्वकर्मा एवं संपादक आकाश कुशवाह के लिए विश्वकर्मा प्रिंटिंग प्रेस, ग्राम पादरी, तहसील वैढ़न, जिला सिंगरौली, मध्यप्रदेश से मुद्रित व कुशवाह मोहल्ला, ग्राम पंचायत सोजना, पोस्ट-तिघरा, ग्वालियर, मध्यप्रदेश - 474001 से प्रकाशित मोबाइल नं. 84355 00216 संपादक- आकाश कुशवाह (सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)